दी नेक्स्ट पोस्ट के परिवार की ओर से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 एआरटीओ और डीडीओ ने छुए प्रभारी मंत्री के पैर

5 महंगे शौक और रील की चकाचौंध में बहके कदम

8 क्या बांग्लादेश पर हो सकता है जुर्माना या निलंबन

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 31 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 26 जनवरी,2026

54 साल में पहली बार चांद तक उड़ान भरने को तैयार हैं इंसान!

लाल कृष्ण आडवाणी से मिलने उनके घर पहुंचे राजनाथ सिंह

कामगारों संग कुछ यूं घुल-मिल गए कपड़ा फैक्ट्री पहुंचे राहुल गांधी

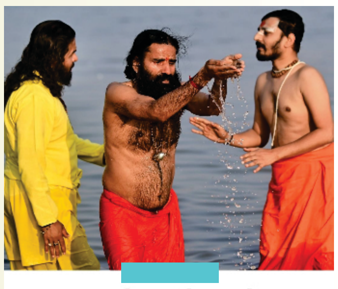

बाबा रामदेव पहुंचे माघ मेला संगम में लगाई पवित्र डुबकी

ICC से पंगा, बांग्लादेश को हो सकता है 3250000000 का नुकसान!

नया भारत, नया उत्तर प्रदेश

यूपी दिवस पर सीएम योगी की बधाई, 'नया उत्तर प्रदेश बना नए भारत का पथ-प्रदर्शक'

सीएम योगी ने यूपी दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब 'नए भारत' की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का पथ–प्रदर्शक ब ...

लखनऊ,संवाददाता। यूपी दिवस पर सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है, श्रीअयोध्या धाम की आस्था, मथुरा की महिमा और काशी की कल्याणकारी दिव्यता से सुशोभित विरासत और विकास की पुण्यभूमि उत्तर प्रदेश के 77वें स्थापना दिवस की सभी प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

नया भारत, नया उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा, कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश का ग्रोथ इंजन 'नया उत्तर प्रदेश' आज 'नए भारत' की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का पथ–प्रदर्शक बन गया है। आइए, हम सब मिलकर निवेश, नवाचार और संस्कार की इस भूमि को आत्मनिर्भरता के सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करने का संकल्प लें।

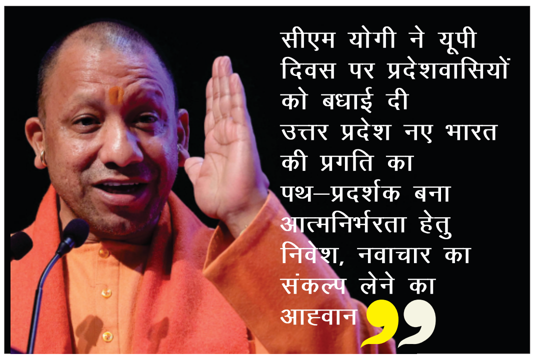

पीएम मोदी ने कहा 'ये मोदी की गारंटी है'

सबरीमाला मामले की जांच को लेकर पीएम मोदी ने केरल के लोगों से किया वादा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केरल में बदलाव होकर रहेगा। उन्होंने हाल में तिरुवनंतपुरम के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि राज्य में 'लेफ्ट इकोसिस्टम' पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा ही एलडीएफ और यूडीएफ के भ्रष्टाचार को खत्म करेगी। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर भ्रष्टाचार, कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा, "आने वाले चुनाव केरल की दशा और दिशा दोनों बदल देंगे।

आपने अब तक केरल में सिर्फ दो पक्ष देखे हैं – एलडीएफ और यूडीएफ। दोनों ने बारी–बारी से केरल को बर्बाद किया है। लेकिन एक तीसरा पक्ष भी है। वह है विकास और अच्छे शासन का। वह है भाजपा का।"

इनके झंडे अलग हैं लेकिन एजेंडा एक'

सीपीएम के नेतृत्व वाला एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ केरल के दो प्रमुख गठबंधन हैं और भाजपा जमीनी स्तर पर तीसरे विकल्प के रूप में उभर रही है।

उन्होंने कहा, "एलडीएफ और यूडीएफ के झंडे अलग हैं, लेकिन एजेंडा एक ही है। पूरा भ्रष्टाचार और कोई जवाबदेही नहीं। पूरा सांप्रदायिकता और कोई जिम्मेदारी नहीं। उन्हें पता है कि वे पांच या दस साल बाद सत्ता में आएंगे। सरकार बदलती है, लेकिन सिस्टम नहीं बदलता। अब आपको लोगों के हित में और विकास वाली सरकार बनाने की जरूरत है। बीजेपी और एनडीए ऐसा करेंगे।"

'केरल के लोगों ने भाजपा पर दिखाया भरोसा'

उन्होंने कहा, "केरल के लोगों ने बीजेपी पर बहुत भरोसा दिखाया है और हमारे साथ हाथ मिलाया है। बीजेपी की जीत मामूली नहीं है; यह ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। तिरुवनंतपुरम ने केरल में भाजपा की नींव रखी है। तिरुवनंतपुरम में आपने भाजपा को सेवा करने का मौका दिया है।"

सबरीमाला में चोरी के मामले पर क्या बोले पीएम मोदी?

सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी पर पीएम मोदी ने एलडीएफ सरकार पर मंदिर की परंपराओं को कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि इस मामले की जांच करवाना "मोदी की गारंटी" है। कांग्रेस पर केरल को धोखा देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जब एनडीए सत्ता में आएगी तो राज्य को "डबल इंजन" सरकार से फायदा होगा।

आजम खां परिवार का जौहर ट्रस्ट से किनारा

अखलाक को सौंपी जिम्मेदारी, संस्था पर चल रहे 30 से अधिक मुकदमे

रामपुर,संवाददाता। कानूनी शिकंजा कसने के बाद आजम खां परिवार ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से खुद को अलग कर लिया है। ट्रस्ट जौहर यूनिवर्सिटी और रामपुर पब्लिक स्कूलों का संचालन करता है। आजम की बहन निकहत अफलाक को अध्यक्ष बनाया गया है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां, उनके छोटे बेटे एवं सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम और पत्नी एवं पूर्व सांसद डॉ. तजीन फात्मा ने मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से खुद को अलग कर लिया है। इसके बाद ट्रस्ट की जिम्मेदारी बहन निकहत अफलाक को सौंपी गई है। बड़े बेटे अदीब को सचिव बनाया गया है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट आजम के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी और रामपुर पब्लिक स्कूलों का संचालन करता है। इस ट्रस्ट में आजम खां अध्यक्ष थे जबकि उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा सचिव, इतना ही नहीं आजम खां के दोनों बेटे अदीब आजम और अब्दुल्ला आजम इस ट्रस्ट के सदस्य हुआ करते थे। कसते कानूनी शिकंजे के बाद आजम खां ने बेटे अब्दुल्ला और पत्नी डॉ. तजीन फात्मा के साथ खुद को जौहर ट्रस्ट से अलग कर लिया है। मालूम हो कि पूर्व में जब आजम खां, अब्दुल्ला आजम और तजीन फात्मा जेल में बंद थे। तब ट्रस्ट के संचालन में भी असुविधा हो रही थी। लिहाजा, मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी गठित की गई है। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार एसएन सलाम ने बताया कि निकहत अफलाक को ट्रस्ट के अध्यक्ष और मोहम्मद अदीब आजम को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यूपी पंचायत चुनाव की उल्टी गिनती शुरू | जिलों में पहुंचाए जा रहे मतपत्र

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयारी तेज कर दी है। अब जिलों में मतपत्र पहुंचाए जाने लगे हैं। सभी जिलों में करीब 60 करोड़ मतपत्र भेजे जाने हैं। इसलिए प्रक्रिया अभी से शुरू कर दी गई है। निर्वाचन आयोग मतदाता पुनरीक्षण की पहली सूची जारी कर चुका है। उस पर आए दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जा रहा है। 28 मार्च को आयोग अंतिम सूची जारी करेगा। इस बीच आयोग मतपत्रों को भेजना शुरू कर चुका है। चूंकि मतपत्र भेजने में काफी वक्त लगता है, इसलिए इसकी प्रक्रिया सबसे पहले शुरू की है।

यूपी पंचायत चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। जिलों में मतपत्र पहुंचाए जा रहे हैं

चुनाव समय पर होने की उम्मीद कम

हालांकि, अब तक समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन नहीं हुआ है। इससे चुनाव समय पर होने की उम्मीद कम है। आयोग के अधिकारियों का कहना है कि वे अपनी तैयारी पूरी कर रहे हैं जैसे ही आयोग का गठन होगा और फिर तारीखों का एलान किया जाएगा।

ओबीसी आयोग का गठन करने की पीआईएल पर सुनवाई 4 फरवरी को

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग के गठन की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश राज्य सरकार को देने के आग्रह वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को 4 फरवरी को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने बृहस्पतिवार को यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की पीआईएल पर दिया है। याची का कहना है कि कानूनन पंचायत चुनाव से पहले ओबीसी आयोग का गठन आवश्यक है। इससे सीटों के आरक्षण का मुद्दा जुड़ा है।

सम्पादकीय

भाजपा का 'नबीन' दौर

नितिन नबीन भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में बड़े समारोह के साथ उन्होंने अपने कार्यकाल की शुरुआत की है। नबीन के पक्ष में केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और संसदीय बोर्ड ने कुल 37 नामांकन प्रस्ताव दिए थे, विरोध में कोई भी नामांकन नहीं था, लिहाजा भाजपा अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। यह भाजपा की स्थापित परंपरा है कि शीर्ष नेतृत्व एक नाम तय करता है और समूचा संगठन उस पर स्वीकृति की मुहर लगा देता है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाते हुए कभी कोई विरोध, चुनाव की चुनौती सामने नहीं आई, लिहाजा पार्टी में अब 'नबीन दौर' शुरू हो गया है। इसे स्वीकार करना चाहिए। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष 45 वर्षीय, सबसे युवा नेता हैं। उनसे पहले अमित शाह 49 वर्ष और नितिन गडकरी 52 वर्ष के थे, जब वे भाजपा अध्यक्ष बने। पार्टी के भीतर से यह खबर भी आ गई है कि भाजपा संगठन में अब 70 फीसदी पद 60 साल की उम्र से कम वाले चेहरों को दिए जाएंगे। साफ है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी और पदाधिकारियों के स्तर पर व्यापक बदलाव किए जा सकते हैं। भाजपा ने नितिन नबीन के दौर के साथ ही यह प्रचारित करना शुरू कर दिया है कि देश की 65 फीसदी आबादी युवा है और भाजपा 'जेन जी' की पहली पसंद वाली पार्टी है। पार्टी के प्रथम सरोकार, लक्ष्य, प्राथमिकताएं, कार्यक्रम आदि भी 'जेन जी' केंद्रित होंगे। इस सोच और रणनीति के पीछे जनादेश के आंकड़ों का भी योगदान है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 39 फीसदी से अधिक युवाओं ने भाजपा–एनडीए के पक्ष में वोट दिए।

राज्य स्तरीय चुनावों में समर्थन का यह आंकड़ा 45–47 फीसदी तक भी पहुंचा है। लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने, गृहमंत्री अमित शाह की सलाह से, भाजपा अध्यक्ष के लिए एक निर्विरोध, निर्विवाद और संगठन के अनुभवी युवा चेहरे को चुना है। यह नाम जब सामने आया था, तो प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर देश को हैरान कर दिया था। बहरहाल भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल, 1980 को की गई और अटलबिहारी वाजपेयी को प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। भाजपा की पृष्ठभूमि 'भारतीय जनसंघ' में निहित रही है, जिसकी स्थापना 21 अक्तूबर, 1951 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने, बलराज मधोक और दीनदयाल उपाध्याय सरीखे साथियों के संग, एक स्कूल के प्रांगण में की थी। आपातकाल के बाद 'जनता पार्टी' के राजनीतिक संगठन का उदय हुआ, तब जनसंघ समेत कई विपक्षी दलों ने अपना निजी अस्तित्व समाप्त कर 'जनता पार्टी' में विलय किया था। नतीजतन 1977 का शानदार, प्रचंड जनादेश विपक्ष को हासिल हुआ, लेकिन 1979 में जनता पार्टी के विघटन के बाद जनसंघ वाले गुट ने भाजपा का गठन किया। राजनीति में 45 साल का सफर कोई लंबा नहीं माना जाता, लेकिन आज भाजपा 17 करोड़ से अधिक सदस्यों और काडर वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह आश्चर्यजनक विस्तार और स्वीकृति है। भाजपा के प्रथम प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी थे, जिन्होंने 6 साल तक भारत सरकार का नेतृत्व किया। 26 मई, 2014 से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वह लगातार तीन बार प्रधानमंत्री चुने गए हैं।

देश के 21 राज्यों में भाजपा–एनडीए की सरकारें हैं। करीब 68 फीसदी देश पर उनका शासन है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के 1654 विधायक हैं और एनडीए विधायकों की संख्या 2300 से अधिक है। भाजपा का लक्ष्य है कि आगामी दो साल में उसके अपने विधायकों की संख्या 1800 को छू सकती है। इतना जनादेश क्या पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल के विधानसभा चुनावों से मिल सकता है? हमें तो यह भी आश्चर्य नहीं लगता। आज भाजपा आंध्रप्रदेश में तेलुगूदेशम पार्टी के साथ सत्ता में है। कमोबेश जनता का शुरुआती जनादेश तो मिला। विस्तार बाद में किया जा सकता है। आज भाजपा, जनसंघ की तरह, बनियों, ब्राह्मणों, व्यापारियों की पार्टी ही नहीं है। अब ओबीसी, दलित, आदिवासी और 7–8 फीसदी मुसलमान भी भाजपा के साथ हैं, लिहाजा पार्टी का ऐसा विस्तार हुआ है। इसके बावजूद भाजपा आज भी दक्षिणपंथी, हिंदूवादी, मंदिरवादी पार्टी है, लिहाजा वह मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति का घोर विरोध करती है। उससे राजनीतिक ध्रुवीकरण होता है और पार्टी को चुनावी फायदा होता है। पार्टी ने ऐसी राजनीति भी की है, जो देशहित में नहीं रही, लेकिन भाजपा फायदे में रही है।

बंगाल 'महाजंगलराज' नहीं

बेशक करीब 6800 कंपनियों और लघु उद्योगों ने अपने दफ्तर, कारखाने, ढांचे आदि पश्चिम बंगाल से खत्म किए हैं और महाराष्ट्र, गुजरात में स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मौजूदा कार्यकाल में ही करीब 2300 कंपनियों ने बंगाल को छोड़ा है। यह औद्योगिक विकास की नकारात्मक स्थिति है, लेकिन इसके समानांतर का यथार्थ यह भी है कि आईटी, सॉफ्टवेयर क्षेत्र में इन्फोसिस सरीखी वैश्विक कंपनी कोलकाता में अपना औद्योगिक तंबू गाड़ रही है। देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह रिलायंस ने बंगाल में निवेश की घोषणा की है। सीमेंट और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों की कंपनियां बंगाल में अपने ढांचे स्थापित कर रही हैं। बेशक 2006–08 के दौर में बंगाल के सिंगूर इलाके में टाटा समूह को 'नैनो कार' का संयंत्र उठाना पड़ा और वह गुजरात के साणंद में पुनःस्थापित किया गया। यह राजनीतिक युद्ध का विवाद बना और सर्वोच्च अदालत के दखल से किसानों की करीब 1000 एकड़ जमीन वापस करनी पड़ी। दुर्भाग्य और विडंबना है कि उसमें से करीब 300 एकड़ जमीन पर ही खेती हो पा रही है। ऐसे परिदृश्य में दुष्प्रचार किया जाता रहा है कि पश्चिम बंगाल 'उद्योगहीन' राज्य है। यह तथ्यहीन प्रचार है, क्योंकि बंगाल देश की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसकी औसत विकास दर करीब 12 फीसदी है। यह राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बंगाल का योगदान 6.15 फीसदी है। हालांकि यह योगदान कभी 10 फीसदी से अधिक होता था। पश्चिम बंगाल की गिनती गरीब राज्यों में की जाती है, क्योंकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 1 लाख रुपए से भी कम है। हालांकि राज्य की जीडीपी 20.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक है और 2030 तक 400 अरब अमरीकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। बंगाल में खनिजों के प्रचुर भंडार हैं। चावल, चाय, कपड़ा, जूट, कोयला, लौह और आईटी उद्योगों पर आधारित अर्थव्यवस्था एक मिश्रित, सामाजिक बाजार की अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल पर 'महाजंगलराज' का गंभीर आरोप चस्पा किया है। यह भी जनता को बताया है कि 100 घरों में से औसतन 4 घरों में ही 'नल का जल' है, जबकि यह हकीकत नहीं है। प्रधानमंत्री की 'नल से जल' योजना की शोधपरक रपट सार्वजनिक की जाए, तो ढेरों छिद्र सामने आएंगे और योजना के भ्रष्ट आचरण की कलई खुलेगी। बहरहाल आज विषय यह नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार, 18 जनवरी को बंगाल में चुनावी शंखनाद की शुरुआत की है और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को विदा करने का आह्वान किया है।

बंगाल में कानून व्यवस्था के निकम्मेपन, सांप्रदायिक तनाव और हिंसा, घुसपैठ, बांग्लादेशी, रोहिंग्या सरीखे अवैध प्रवासियों का संरक्षण तथा वोट बैंक, भ्रष्टाचार आदि के हालात समझ में आते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी 15 साल पुरानी सत्ता पर ढेरों सवाल किए जा सकते हैं, लेकिन महज चुनावी राजनीति के मद्देनजर उस पर 'महाजंगलराज' चस्पा करना दुर्भाग्यपूर्ण है। बंगाल में राजा राममोहन राय, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर, 'वंदे मातरम' जैसे राष्ट्रीय गीत के रचनाकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस से लेकर कालजयी फिल्मकार सत्यजीत रे तक महान हस्तियों की एक लंबी सूची है, जिन्होंने बंगाल की भद्र और कलात्मक संस्कृति को सींचा। उसे महज एक सरकार के क्रियाकलापों के कारण 'महाजंगलराज' करार देकर आरोपित करना 'पाप' है। चुनाव का मौसम आ गया है, तो राजनीतिक दल कुछ भी आरोप लगाएंगे, लेकिन देश का प्रधानमंत्री 'महाजंगलराज' की बात कहे, तो वह सवालिया और अस्वीकार्य होना चाहिए। बंगाल में एक लाख की आबादी पर संज्ञेय अपराध का औसत 83.9 है। बेशक वहां तेजाब के हमलों के अपराध देश में सर्वाधिक हैं। यह दर 27.5 फीसदी है, लेकिन अन्य अपराध उग्र या अन्य राज्यों की तुलना में कम हैं। एक लाख महिला आबादी पर अपराध की दर 71.3 है। यदि अपराध को भी मानदंड माना जाए, तो भी बंगाल को 'महाजंगलराज' करार देना अनुचित है। बंगाल में केंद्र सरकार की 'आयुष्मान' और अन्य योजनाओं को लागू नहीं किया जाता, तो यह राज्य का विशेषाधिकार है। इस पर राजनीति की जा सकती है, लेकिन यह 'महाजंगलराज' का कारक नहीं है। हम कमोबेश प्रधानमंत्री से अपेक्षा करेंगे कि वह इस मुहावरे को छोड़ कर तथ्यों के आधार पर सरकार को घेरें और अपने लिए जनादेश का अनुरोध करें।

अंधेरे का जश्न

पहले लोग त्यौहारों का जश्न मनाते थे, महंगाई ने रिकार्ड तोड़े तो यह जश्न दम तोड़ गए। लोग सफलता का जश्न मनाते थे, लेकिन सफलता अब मिथ्या आंकड़ों की बांदी हो गई, और उपलब्धियों के इश्तिहार का रूप धारण करने लगीं, इसलिए आम आदमी ने 'जैसे हो, वैसे रहो' की नियति का वरण करके, जयघोष की मुद्रा को प्रगति मान लिया। देश चौथी से तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर जा रहा है, विकास दर के आंकड़े मंचों से उछलते हैं, लेकिन फिर टूटी सड़कों और अधूरे पुलों की वास्तविकता में तबदील हो जाते हैं, लेकिन हमें जश्न तो मनाना ही है। उत्सवधर्मी लोगों का देश है यह। 78 वर्षीय आजादी के अमृतघट का महोत्सव भी मना लिया। नारे लगे, उपलब्धि पताकाएं लहराईं, शोभा यात्राएं निकलीं। ऐसी शोभा यात्राएं जिनमें मुस्कान अग्रिम पंक्ति में हाथ जोड़ कर चलते हुए नेताओं का स्वीकार थीं, और इनके पीछे–पीछे चल रहा था, झुके कंधों वाला ढीला–ढाला हुजूम, जिसने यथास्थितिवाद को अपना संतोष जान स्वीकार कर लिया था। हमें छक्कन इस हुजूम की आखिरी पांत में मिले। क्या इसलिए कि वह उस कतार के आखिरी आदमी थे, जिनसे देश के मसीहाओं ने कभी वायदा किया था, कि देश में अच्छे दिन आएंगे, और उसका तोहफा तुम्हारी अंधेरी कोठरी तक एक नई रोशनी सा अवश्य पहुंचेगा। लेकिन तोहफों की यह रोशनी आखिरी कतार में खड़े छक्कन तो क्या, पहली कतार में खड़े धक्कमपेल लोगों तक भी नहीं आ सकी। देखते हैं तोहफे बरसे तो हैं, लेकिन कटी पतंग की तरह ऊंची इमारतों की फुनगियों पर अटक गए। वहां से छूटे तो बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के विस्तार में विस्तृत होते चले गए। उन्हें विदेशी मंडियों में ऊंचे ब्याज ने ललचाया तो इस निवेश का भी पलायन होने लगा।

अब बाकी रह गई हमारी जेब का मर्सिया बढ़ती महंगाई तेरे लिए भी और मेरे लिए भी। ट्रम्प महोदय के डॉलर के मुकाबले में गिरता हुआ हमारा रुपया आयातों का हुलिया और बिगाड़ने लगा, कच्चे माल की कीमतों को पंख लगाने लगा। नतीजा क्या हुआ? हां, महंगाई बढ़ी तेरे लिए भी मेरे लिए भी। तूने तो इस महंगाई को सह लिया, क्योंकि चोर बाजारी और काले धन की बैसाखियां तेरे पास थीं। हम कैसे इसे सहन करते? क्या तीन सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त हो जाने की घोषणा के साथ। लेकिन वह भी तो हमारी देहरी तक नहीं आई। बुझी हुई मोमबत्तियां और टूटे हुए दीये ही क्या इसका भाग्य हैं? जी नहीं, तनिक उन लोगों के भाग्य की सुध भी ले लें, जिन्होंने तरक्की के नाम पर उज्ज्वला योजना से सिलेंडरों से गैस के चूल्हों से नित्य भोजन पकाने की कभी सीख ली थी। छक्कन हमें बताने लगे, अरे उज्ज्वला में रियायतों की तलाश छोड़ो, यहां तो नए आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों लोगों ने पिछले वर्ष एक भी गैस का सिलेंडर नहीं भरवाया, और जिन्होंने एक भरवाया है, उन्होंने तरक्की का उत्सव मनाया है। उत्सव ही मनाना है तो आओ क्यों न आगे बढ़ने के स्थान पर पीछे लौटने का उत्सव मना लें? न जाने कितनी हजार पिछड़ी बस्तियां हैं, जहां वही बाबा आदम का चूल्हा चौका, और लकड़ी का ईंधन लौट आया है। कोयला मिल जाता तो अंगीठियां भी लौट आतीं। लेकिन यहां कोयला थर्मल प्लांट चलाने के लिए नहीं मिलता। विद्युत प्रसार के नाम पर हमें पावर कट सहने की आदत हो गई है। सरकार का वायदा है किसी को भूख से मरने नहीं देंगे, और एक सबसे युवा देश को काम के बदले लंगर संस्कृति भेंट कर दी जाएगी। अनुकम्पा घोषणाएं, मुफ्त अनाज की कतारें और लंगर संस्कृति में दया धर्म और पुण्य कमाने का ऐसा ओज निकला कि अब देश के बेकार कामगारों की ताकत में से आधों ने काम की तलाश ही बंद कर दी है।

विकास यात्रा

25 जनवरी हिमाचल प्रदेश के इतिहास में केवल एक संवैधानिक तिथि नहीं, बल्कि उस सामूहिक चेतना का प्रतीक है जिसने पहाड़ों, घाटियों और सीमांत क्षेत्रों को एक पूर्ण, स्वायत्त और आत्मविश्वासी राज्य की पहचान दी। पूर्ण राज्यत्व के बाद हिमाचल की विकास यात्रा अलग–अलग राजनीतिक दौरों और नेतृत्वों से होकर गुजरी है, जिनमें प्रत्येक मुख्यमंत्री ने अपने समय की प्राथमिकताओं के अनुसार राज्य को दिशा दी। डा. यशवंत सिंह परमार के बाद ठाकुर राम लाल के कार्यकाल में प्रशासनिक निरंतरता और सामाजिक संतुलन को बल मिला। शांता कुमार ने पेयजल, स्वच्छता और बुनियादी सेवाओं को शासन के केंद्र में रखकर सेवा आधारित राजनीति की पहचान बनाई। वीरभद्र सिंह के लंबे कार्यकालों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत विस्तार ने राज्य की प्रशासनिक क्षमता को मजबूती दी। इसके बाद प्रेम कुमार धूमल के दौर में अधोसंरचना, खेल और ई–गवर्नेंस को नई गति मिली। जयराम ठाकुर के कार्यकाल में सीमांत क्षेत्रों, सड़क नेटवर्क और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्तमान में सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य वित्तीय अनुशासन, संस्थागत सुधार और शिक्षा–स्वास्थ्य में गुणवत्ता के नए संतुलन की तलाश में आगे बढ़ रहा है। वैचारिक भिन्नताओं के बावजूद इन सभी नेतृत्वों की साझा उपलब्धि यही रही कि सत्ता परिवर्तन के साथ हिमाचल की बुनियादी दिशा कभी विचलित नहीं हुई।

शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल ने सीमित संसाधनों के बावजूद जो उपलब्धियां हासिल कीं, वे राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय हैं। भारत सरकार की जनगणना 2011 के अनुसार राज्य की साक्षरता दर 82.80 प्रतिशत रही, जो उस समय राष्ट्रीय औसत से अधिक थी। दुर्गम गांवों तक विद्यालयों की पहुंच, शिक्षक उपलब्धता और सामाजिक सहभागिता ने शिक्षा को जनआंदोलन बनाया। यही कारण है कि हिमाचल को लंबे समय तक शैक्षिक सूचकांकों में अग्रणी राज्यों में गिना गया। स्वास्थ्य सेवाओं में भी हिमाचल का मॉडल उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है।

डाक नहीं आई

भारतीय लोकतंत्र में डाक व्यवस्था का उसी तरह महत्वपूर्ण स्थान है जिस प्रकार रेलवे का। डाक रुक जाए तो समाज की धड़कन रुक जाती है, रेलगाड़ी ठहर जाए तो कहर बरप जाता है। अन्य कई और सुविधाओं की तरह ये दोनों व्यवस्थाएं वस्तुतः जन कल्याण के अंतर्गत आती हैं और इसीलिए इनमें कुछ छूट भी दी जाती रही है। रेलवे में जैसे सीनियर सिटिजंस को टिकिट में 30 प्रतिशत की छूट थी। डाक में भी ज्ञान के प्रसार के लिए अनेक प्रकार की छूट रहती थी, जैसे रजिस्टर्ड बुक पोस्ट, साधारण बुक पोस्ट की, जो अब बंद कर दी गई है। शायद डाक विभाग को भी व्यावसायिक बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

कुछ क्षेत्र ऐसे होते हैं जिन्हें छूट मिलनी ही चाहिए, लेकिन लगता है कि डाक विभाग भी कारपोरेट सेक्टर की भांति घड़ाधड़ धन कमाने की होड़ में लग गया लगता है, जबकि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से तो उम्मीद थी कि महाराज जी उदारचेता होंगे और डाक विभाग को जन कल्याण से संपुष्ट रखेंगे, लेकिन खरबूजे को खरबूजा देख कर रंग पकड़ता है। और डाक विभाग ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। एक रात मेरे गांव राजपुर का पोस्ट आफिस गायब हो गया। आश्चर्य हुआ कि विकास के सपने दिखाने वाली सरकार के अमृत काल में बिना आहट किए एक सुविधा उड़नछू हो गई और डाक घर के कस्टमर मुंह ताकते रह गए। दस वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद राजपुर का ब्रांच पोस्ट आफिस उप डाकघर के रूप में अपग्रेड हुआ था जिसका उद्घाटन पूर्व केन्द्रीय मंत्री शांता कुमार जी ने 25 मार्च 2018 को किया था। राजपुर और इसके इर्द–गिर्द की आबादी ने इसका स्वागत किया था और हजारों खाते खुलवाए थे, परंतु गत सात साल में कभी भी पोस्ट आफिस के सीनियर अधिकारियों ने पोस्ट आफिस के लाभार्थियों से कोई मीटिंग नहीं की।

एआरटीओ और डीडीओ ने छुए प्रभारी मंत्री के पैर

गोरखपुर,संवाददाता। जिले के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह मंगलवार की दोपहर लार क्षेत्र के रोपन छपरा में ठाकुर भद्रसेन सिंह के पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने बलिया से आए। जिले की सीमा में प्रवेश करते ही भागलपुर पुलिस चौकी के पास जिले के अधिकारियों ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। डीडीओ सुशील कुमार सिंह ने प्रभारी मंत्री को गुलदस्ता भेंट किया और पैर छुए।

एआरटीओ और डीडीओ ने एक कार्यक्रम में जिले में पहुंचे प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह के पैर छुए। इसका वीडियो वायरल हो गया। इसको लेकर खूब चर्चा हुई। संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है।

जिले के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह मंगलवार की दोपहर लार क्षेत्र के रोपन छपरा में ठाकुर भद्रसेन सिंह के पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने बलिया से आए। जिले की सीमा में प्रवेश करते ही भागलपुर पुलिस चौकी के पास जिले के अधिकारियों ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। डीडीओ सुशील कुमार सिंह ने प्रभारी मंत्री को गुलदस्ता भेंट किया और पैर छुए। यही क्रम एआरटीओ आशुतोष शुक्ला ने भी दोहराया। इसका वीडियो वायरल हो गया। इस मामले में एआरटीओ आशुतोष शुक्ल ने कहा कि वह वीडियो में खड़े हैं। पैर छूने वाले का चेहरा स्पष्ट नहीं है, लेकिन मेरे द्वारा पैर छूने की बात कहकर प्रचारित किया जा रहा है, जो गलत है। वहीं, डीडीओ सुशील कुमार सिंह ने वायरल वीडियो पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

गोरखपुर कमिश्नर ने पुलों और अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का किया निरीक्षण

गोरखपुर कमिश्नर अनिल ढींगरा और डीएम दीपक मीणा ने खजांची व नकहा पुलों तथा ताल नदौर में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया।

संवाददाता, गोरखपुर। कमिश्नर अनिल ढींगरा ने गुरुवार को डीएम दीपक मीणा के साथ खजांची पुल और नकहा पुल के अलावा ताल नदौर में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी परियोजनाओं में कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों पुलों की साफ–सफाई और रंगाई का कार्य तीन दिनों के भीतर हर हाल में पूरा कर लिया जाए , ताकि लोकार्पण से पहले पुल पूरी तरह से दुरुस्त और आकर्षक स्वरूप में तैयार हो सकें।

इसके बाद कमिश्नर ने ताल नदौर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया। कार्यदायी संस्था ने बताया कि कुल 108 एकड़ उपलब्ध भूमि में से प्रथम चरण में 46 एकड़ में 30 हजार दर्शक क्षमता वाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम विकसित किया जाएगा, जिसकी स्वीकृति मिल चुकी है।शेष 62 एकड़ भूमि पर द्वितीय चरण में बैडमिंटन, टेनिस, स्विमिंग पूल, आर्चरी और शूटिंग जैसी खेल सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव है। अधिकारियों ने यह भी अवगत कराया कि मिट्टी भराई, पौधरोपण और पाइल टेस्टिंग जैसे कार्य प्रगति पर हैं। इस पर कमिश्नर ने निर्देश दिया कि मिट्टी भराई गोरखपुरदुवाराणसी हाईवे के लेवल के अनुरूप की जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गोरखपुर में पानी पैक करने वाली नौ फैक्ट्रियों के लाइसेंस निलंबित

संवाददाता, गोरखपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुद्ध पानी न उपलब्ध कराने वाली गोरखपुर की नौ फैक्ट्रियों का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह फैक्ट्रियां पानी पैक कर बेचती थीं। इससे पहले मऊ में बोतल बंद पानी में कोलीफार्म बैक्टीरिया मिलने पर बड़हलगंज में पानी बनाने वाली फैक्ट्री का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। खाद्य सुरक्षा आयुक्त रोशन जैकब के निर्देश पर 10 और 11 जनवरी को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जिले में पानी पैक कर बेचने वाली फैक्ट्रियों की जांच की थी। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं और सुधार होने तक उत्पादन व बिक्री पर पूर्ण रोक लगा दी गई है।

गोरखपुर मतदाता सूची पुनरीक्षण: खाली हाथ लौटे आधार निवास और राशन कार्ड लेकर पहुंचे मतदाता

दस्तावेज़ अस्वीकृत, आधार और निवास प्रमाण पत्र भी नहीं माने जा रहे। संबंधित व्यक्ति की अनिवार्य मौजूदगी से परिवार के सदस्य लौटे खाली हाथ। सुनवाई में 70 फीसदी मतदाता अनुपस्थित, नाम कटने की आशंका बढ़ी।

संवाददाता, गोरखपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण– एसआईआर अभियान के तहत जारी नोटिस का जवाब लेकर सुनवाई में पहुंच रहे मतदाताओं को निराशा का सामना करना पड़ रहा है। सुनवाई में तैनात अधिकारी आधार कार्ड, सामान्य निवास प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को मानने से इनकार कर रहे हैं, जिससे मतदाता खासे परेशान हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि नोटिस जिस व्यक्ति के नाम जारी हुआ है, उसकी सुनवाई के दौरान स्वयं मौजूदगी अनिवार्य कर दी गई है। परिवार के सदस्य प्रमाण पत्रों के साथ पहुंच रहे हैं, लेकिन संबंधित व्यक्ति के उपस्थित न होने पर उनका मामला सुना ही नहीं जा रहा। सहजनवां तहसील मुख्यालय पर ऐसे कई मामले सामने आए। गाहासाड़ निवासी अनीता देवी पति अनिल के नाम जारी नोटिस का जवाब और आवश्यक प्रमाण पत्र लेकर पहुंचीं, लेकिन अधिकारियों ने पति के बिना आने पर निस्तारण से इनकार कर दिया। इसी तरह पाली ब्लाक के मटकापार गांव की कमली देवी अपनी पुत्रवधू श्वेता के नाम से जारी नोटिस का जवाब लेकर आईं। उन्होंने बताया कि श्वेता अपने पति के साथ बेंगलुरु में रहती है, बावजूद इसके अधिकारियों ने श्वेता की व्यक्तिगत मौजूदगी अनिवार्य बताते हुए उन्हें लौटा दिया।

मटकापार के ही दीन दयाल दुबे, सेना में तैनात अपने भाई की पत्नी प्रियंका दुबे के नोटिस का जवाब लेकर पहुंचे, लेकिन उन्हें भी बिना संबंधित व्यक्ति के सुनवाई न होने की बात कहकर वापस भेज दिया गया।

इन घटनाओं से मतदाताओं में असंतोष बढ़ रहा है और वे प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे। इसी तरह की समस्याएं से लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों में बिना मैपिंग वाले मतदाता जूझते नजर आए। उधर सुनवाई के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में लोग नहीं पहुंचे। इनकी संख्या करीब 70 प्रतिशत बताई जा रही है। सुनवाई में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के उपस्थित नहीं होने से निर्वाचन से जुड़े अधिकारी भी चिंतित दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि यही गति रही एसआइआर के तहत दूसरे चरण में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कट जाएंगे। इस चरण में बिना मैपिंग वाले यानी जिन मतदाताओं या उनके माता, पिता, दाता–दादी, नाना–नानी के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं मिले हैं, ऐसे 2.83 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजकर सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है।

सदर तहसील में 15 प्रतिशत भी दस्तावेज नहीं जमा हुए

दो दिन की सुनवाई में शहर विधानसभा क्षेत्र के बुलाए गए मतदाताओं में से बिना मैपिंग वाले 15 प्रतिशत मतदाताओं के भी दस्तावेज नहीं जमा हो सके हैं, जबकि पहुंचने वाले मतदाताओं की संख्या भी 25 प्रतिशत से कम है। तहसील सदर में गुरुवार को एईआरओ तहसीलदार ज्ञान प्रताप सिंह के समक्ष 36 मतदाता पहुंचे, जिनमें 11 के ही दस्तावेज जमा हो सके, जबकि अन्य के पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं थे।

उन्होंने 133 मतदाताओं को बुलाया था। पुराना गोरखपुर, सिंधी कालोनी की विजय लक्ष्मी सुनवाई में पहुंची तो उनके नोटिस पर मुहर नहीं लगी थी। इस कारण पता नहीं चल रहा था कि उनकी सुनवाई किस एईआरओ के पास होगी। सुनवाई के दौरान अधिकारियों ने सुझाव दिया कि मुहर लगवाओ। इसके बाद वह हेल्प डेस्क पहुंची तो वहां बैठे राजस्व निरीक्षक राजू सिंह ने मुहर लगवा दी और बताया कि उन्हें सुनवाई के लिए पादरी बाजार जाना होगा। झुंझलाते हुए उन्होंने कहा कि मुहर लगी होती तो उन्हें इतनी परेशानी नहीं होती ।

मौत के मुंह से निकल आया सागर

चलती ट्रेन से था गिरा जल्द पहुंचेगा गोरखपुर

गोरखपुर,संवाददाता। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के रक्षा अध्ययन विभाग के बीए तृतीय वर्ष के छात्रों का दल शैक्षणिक यात्रा के लिए देहरादून और हरिद्वार गया था। लौटते समय छात्र सागर निषाद 20 जनवरी की शाम अचानक चलती ट्रेन से गिर गया। गंभीर रूप से घायल छात्र को मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां अब उसकी हालत खतरे से बाहर है। जल्द ही उसे डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। छात्रों के साथ गए रक्षा अध्ययन विभाग के शिक्षक डॉ. आरपी यादव ने बताया कि नगीना और बुदकी स्टेशन के बीच ट्रेन अपना ट्रैक बदल रही थी, इसी दौरान यह घटना हुई थी। इसके बाद शिक्षक और सभी छात्र मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर उतर गए थे। करीब ढाई घंटे तक सबकी सांसें अटकी रहीं। छात्रों ने मुरादाबाद स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर धरना भी शुरू कर दिया था। रेलवे प्रशासन ने मामले की गंभीरता से लिया और छात्र को ढूंढ निकाला गया। तीन छात्र वहां रुक गए थे, जबकि अन्य लोग दूसरी ट्रेन से वापस लखनऊ और फिर गोरखपुर पहुंचे थे। अन्य दो छात्र भी बृहस्पतिवार को गोरखपुर पहुंच गए। डॉ. आरपी यादव ने बताया कि छात्र की हालत अब खतरे से बाहर है।

गोरखपुर में नकहा और खजांची ओवरब्रिज पर जल्द फर्राटा भरेंगे वाहन

खजांची और नकहा फ्लाईओवर का निर्माण लगभग पूरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे जल्द लोकार्पण। गोरखपुर को मिलेगी जाम से बड़ी राहत।

संवाददाता, गोरखपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने वाले खजांची और नकहा फ्लाइओवर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। 10 फरवरी से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इन दोनों फ्लाइओवर के लोकार्पण की तैयारी चल रही है। इनके शुरू होते ही शहर को जाम से बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगा। 96.50 करोड़ रुपये की लागत से बने खजांची ओवरब्रिज की कुल लंबाई 605 मीटर है। यह फ्लाइओवर जेल बाईपास को सीधे स्पोर्ट्स कालेज रोड से जोड़ता है। इसके चालू होने से खजांची चौराहा, मेडिकल कालेज, पादरी बाजार और नेपाल बार्डर की ओर जाने वाले वाहनों को नया और सुगम मार्ग मिलेगा। वर्षों से जाम की समस्या झेल रहे इन इलाकों में यातायात का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा। इसी तरह नकहा जंगल और मानीराम स्टेशन के बीच समपार संख्या 5ए पर बने नकहा ओवरब्रिज की लंबाई 1092 मीटर है। 152.19 करोड़ रुपये की लागत से बने इस ओवरब्रिज का निर्माण भी अंतिम चरण में है। इसके शुरू होने से रेलवे समपार फाटक पर लगने वाले लंबे जाम से लोगों को निजात मिलेगी और शहर के उत्तरी हिस्से की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। गोरखपुर के लिए वर्ष 2026 रोड कनेक्टिविटी के लिहाज से और भी महत्वपूर्ण है। इस साल फोरलेन और सिक्सलेन सड़कों, रेल ओवरब्रिज और फ्लाइओवर समेत एक दर्जन से अधिक परियोजनाएं पूरी होंगी। सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि गोरखपुर को पहली सिक्सलेन सड़क और सिक्सलेन फ्लाइओवर की सुविधा मिलेगी। शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में भी गोरखपुर नई ऊंचाइयों को छूने जा रहा है। प्रदेश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट गीडा कार्यालय के सामने 48.39 करोड़ रुपये की लागत से लगभग तैयार कर लिया गया है। एक से दो माह में इसका लोकार्पण होने की संभावना है। वहीं रामगढ़ताल की तर्ज पर विकसित चिलुआताल घाट को 20.39 करोड़ रुपये की लागत से सुंदरीकरण किया गया है, जो जल्द ही नए टूरिस्ट स्पाट के रूप में लोगों को आकर्षित करेगा।

राष्ट्रीय फलक पर जिले का मान बढ़ाने वाली दो बड़ी उपलब्धियां भी इसी वर्ष मिलेंगी। वाराणसी मार्ग पर ताल नदौर में 30 हजार दर्शक क्षमता वाला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम 392 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा, जिसका निर्माण शुरू हो गया है। जल्द ही इसका भी औपचारिक शिलान्यास होगा।

उत्तर प्रदेश में हटेंगे अनावश्यक नियम, सीएम योगी का बड़ा संकेत; जनता के साथ व्यापारियों को भी राहत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कंप्लायंस रिडक्शन व डी–रेगुलेशन फेज–2 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन भरोसे पर आधारित हो और अनावश्यक नियम हटाकर न ...

मुख्यमंत्री ने की कंप्लायंस रिडक्शन व डी–रेगुलेशन फेज–2 की समीक्षा, कहा– सुधार कागजों में नहीं, जमीन पर नजर आना चाहिए

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को स्पष्ट कहा कि प्रदेश में प्रशासन का चेहरा अब नियंत्रण नहीं, बल्कि भरोसे पर आधारित होना चाहिए। अनावश्यक नियम, प्रक्रियाएं और अनुमतियां हटाकर आम नागरिक और उद्यमियों को राहत देना सरकार की प्राथमिकता है। कंप्लायंस रिडक्शन और डी–रेगुलेशन फेज–2 की उच्चस्तरीय समीक्षा में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हर सुधार का असर कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर नजर आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि कंप्लायंस रिडक्शन फेज–1 में प्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य घोषित किया जाना बड़ी उपलब्धि है, लेकिन असली चुनौती फेज–2 में इन सुधारों को स्थायी और संस्थागत रूप देना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि डी–रेगुलेशन का अर्थ नियंत्रण समाप्त करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियंत्रण हटाकर जरूरी नियमों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। बैठक में बताया गया कि फेज–2 के तहत नौ थीम, 23 प्राथमिकता वाले क्षेत्र और वैकल्पिक प्राथमिकता वाले क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं।

भूमि उपयोग से जुड़े मामलों में लैंड यूज में बदलाव जैसी जटिल अनुमतियों को समाप्त या सरल करने पर काम हो रहा है, ताकि किसानों और भू–स्वामियों को राहत मिल सके।

भवन निर्माण और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में नक्शा पास, लेआउट अप्रूवल और कंप्लीशन सर्टिफिकेट जैसी प्रक्रियाओं को जोखिम–आधारित प्रणाली (रिस्क–बेस्ड सिस्टम) पर लाने, सेल्फ–सर्टिफिकेशन और डीम्ड अप्रूवल को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने अलग–अलग विभागों की अनुमतियों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म पर लाकर स्पष्ट समय सीमा तय करने पर जोर दिया, जिससे उद्योगों और नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। ऊर्जा, पर्यावरण, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में भी आनलाइन व आटो–अप्रूवल सिस्टम को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सुधार केवल निवेश और उद्योग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि घर बनाने, बिजली–पानी कनेक्शन और रोजमर्रा की सेवाओं से जुड़ी आम जनता की परेशानियां कम करने के लिए हैं। सभी विभाग तय समय सीमा में सुधार लागू करें और नियमित निगरानी के जरिए जवाबदेही तय की जाए। ऊर्जा सेक्टर के संदर्भ में बताया गया कि बिजली कनेक्शन, लोड बढ़ाने और अन्य तकनीकी अनुमतियों की प्रक्रिया सरल करते हुए आनलाइन और आटो–अप्रूवल सिस्टम को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे औद्योगिक गतिविधियों को गति मिल सके। पर्यावरण संबंधी अनुमतियों पर बताया गया कि कम जोखिम वाली गतिविधियों के लिए अनावश्यक क्लीयरेंस समाप्त कर विश्वास–आधारित प्रणाली (ट्रस्ट–बेस्ड सिस्टम) अपनाया जा रहा है, जबकि उच्च जोखिम वाले मामलों में पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलन बनाए रखते हुए स्पष्ट और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है।

19 वर्ष बाद आया फैसला, अमुवि छात्र मुल्ला साबित की हत्या के तीन दोषियों को उम्रकैद, तीनों ही पूर्व छात्र

अलीगढ़,संवाददाता। छात्र मुल्ला मोहम्मद साबित अली, मोहम्मद शाहनवाज खां व निजामुद्दीन के साथ हबीब हॉल के सामने ढाबे पर चाय पी रहे थे। तभी दो बाइकों पर सवार होकर चार–पांच लड़के आए। उन्होंने आते ही उन पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में एक गोली साबित अली के बांई तरफ लगी। वह वहीं गिर गया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्र गुटों की रंजिश में एएमयू छात्र मुल्ला साबित अली की हत्या में अदालत ने तीन दोषियों को उम्रकैद से दंडित किया है। साथ में 30–30 हजार रुपये अर्थदंड भी नियत किया गया है। 19 वर्ष पुराने इस बहुचर्चित हत्याकांड में एडीजे फास्ट ट्रैक द्वितीय तारकेश्वरी सिंह की अदालत ने निर्णय सुनाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार ये घटना आठ अप्रैल 2007 की रात करीब डेढ़ बजे की है। मूल रूप से लखनऊ निवासी हबीब हॉल में रहने वाले एएमयू छात्र नबील अहमद ने सिविल लाइंस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा था कि वह रात में अपने साथी छात्र मुल्ला मोहम्मद साबित अली, मोहम्मद शाहनवाज खां व निजामुद्दीन के साथ हबीब हॉल के सामने ढाबे पर चाय पी रहे थे। तभी दो बाइकों पर सवार होकर चार–पांच लड़के आए। उन्होंने आते ही उन पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में एक गोली साबित अली के बांई तरफ लगी। वह वहीं गिर गया। इसके बाद आरोपी शमशाद मार्केट की तरफ भाग गए। आनन–फानन साबित अली को जेएन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां मृत घोषित कर दिया गया।

जाड़े की छुट्टियों में नहीं हुआ तबादला...

विरोध में जुटे शिक्षक, सोशल मीडिया पर चलाएंगे अभियान

लखनऊ,संवाददाता। इस साल जाड़े की छुट्टियों में तबादला नहीं हुआ। शिक्षक इसके विरोध में जुट गए हैं। इसके लिए वह सोशल मीडिया पर अभियान चलाएंगे। बेसिक के शिक्षकों ने प्रादेशिक स्थानांतरण समिति बनाई है। उत्तर प्रदेश में इस साल जाड़े की छुट्टियों में जिलों के अंदर और एक से दूसरे जिले में शिक्षकों का तबादला नहीं किया गया। इससे नाराज शिक्षकों ने प्रादेशिक स्थानांतरण समिति का गठन करते हुए चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। यह आंदोलन शुक्रवार से शुरू हो रहा है। शिक्षकों ने बताया कि विभाग ने पूर्व में जारी शासनादेश में कहा था कि वह गर्मी व जाड़े की छुट्टियों में जिले के अंदर और एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादला करेगा। इसके बाद भी इस जाड़े की छुट्टियों में कोई प्रक्रिया नहीं की गई जबकि शिक्षकों ने इसके लिए अधिकारियों को ज्ञापन भी दिया गया था। ऐसे में अब उनके सामने विरोध–प्रदर्शन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

प्रादेशिक स्थानांतरण समिति के राजीव गौड़ ने बताया कि तबादले के लिए चरणबद्ध आंदोलन के तहत पहले चरण में शिक्षक 23 जनवरी को एक्स व फेसबुक के माध्यम से डिजिटल अभियान चलाएंगे। दूसरे चरण में संबंधित अधिकारियों से संवाद और ज्ञापन देंगे। इसके बाद भी मांग न पूरी हुई तो बेसिक शिक्षा मंत्री आवास व निदेशालय पर धरना दिया जाएगा।

कैशलेश चिकित्सा की जल्द मिले सुविधा

सीएम की ओर से शिक्षक दिवस पर की गई घोषणा के चार माह बाद भी शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को कैशलेस चिकित्सा की सुविधा न मिलने पर शिक्षक संगठनों ने नाराजगी जताई है। इसे जल्द लागू करने की मांग की है। उप्र बीटीसी शिक्षक संघ ने इसके साथ ही टीईटी के मुद्दे पर भी राहत देने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि इस पर अब तक कोई सकारात्मक निर्णय न होने से शिक्षकों में नाराजगी है।

यूपी को मिलेगी एक और सिक्स लेन हाईवे की सौगात

गोंडा और बलरामपुर से अयोध्या पहुंचना होगा आसान, डिजाइन तैयार

अयोध्या–गोंडा–बलरामपुर सिक्स लेन राष्ट्रीय राजमार्ग की डिजाइन तैयार हो गई है। 65 किलोमीटर की यह परियोजना, जिसमें 8 किलोमीटर अयोध्या रिंग रोड का हिस्सा ...

गोंडा,संवाददातता। देवीपाटन मंडल की बहु प्रतीक्षित परियोजना अयोध्या–गोंडा–बलरामपुर राष्ट्रीय मार्ग की छह लेन की डिजाइन तैयार हो गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजे नक्शे के अनुसार 65 किलोमीटर लंबी सिक्सलेन का आठ किलोमीटर हिस्सा अयोध्या रिंगरोड में शामिल रहेगा। नवाबगंज में निर्माणाधीन अयोध्या रिंग रोड से निकली 57 किलोमीटर लंबा सिक्स लेन राष्ट्रीय मार्ग पुरानी सड़क (गोंडा–नवाबगंज)के दक्षिण होते हुए गोंडा शहर में प्रस्तावित रिंगरोड में जुड़ेगा। यहां पुरानी (गोंडा–नवाबगंज) सड़क को क्रॉस कर उसके उत्तर तरफ होते हुए गोंडा–बलरामपुर के पुराने मार्ग को पार कर पश्चिम से निकलेगा और फिर शामली एक्सप्रेस–वे में जुड़ जाएगा।

यह मार्ग बनने के बाद अयोध्या से गोंडा 35 किलोमीटर व गोंडा से बलरामपुर 22 किलोमीटर दूर रह जाएगा।

बलरामपुर व श्रावस्ती के साथ नेपाल तक के लोगों का भी अयोध्या पहुंचना आसान हो जाएगा। वर्ष 2018 में 43 किलोमीटर लंबी बलरामपुर की टू लेन सड़क बनी थी। तब से मरम्मत तक नहीं हुई जबकि, प्रतिदिन दस हजार वाहनों समेत एक लाख लोगों का रोजाना आवागमन होता है। निर्माण के साल ही इसे नेशनल हाईवे (एनएच–330) का दर्जा मिला तो इसे फोरलेन बनाने की मांग उठने लगी।

अयोध्या–गोंडा–बलरामपुर सिक्स लेन हाईवे की डिजाइन तैयार। अयोध्या तक पहुंचना होगा आसान, दूरी घटेगी। राम मंदिर के बाद परियोजना को मिली नई गति।

वर्ष 2023 में राष्ट्रीय राजमार्ग खंड अयोध्या ने गोंडा–बलरामपुर–अयोध्या मार्ग को फोरलेन बनाने का प्रस्ताव राजमार्ग मंत्रालय को भेजा लेकिन, यातायात भार कम होने से गोंडा–बलरामपुर को फोरलेन की स्वीकृति नहीं मिली। जनवरी 2024 में अयोध्या में राम जन्म भूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो देश के बड़े उद्योगपतियों का रुझान अयोध्या के साथ गोंडा की तरफ हुआ। इसके बाद अयोध्या से गोंडा को जोड़ने के लिए 35 किलोमीटर लंबे सिक्स लेन राष्ट्रीय मार्ग बनाने की तैयारी शुरू हुई।

सर्वे शुरू ही हुआ था कि इसका विस्तार गोंडा के साथ बलरामपुर तक कर दिया गया, जिसकी अब डिजाइन भी तैयार है।

57 किलोमीटर लंबे सिक्स लेन के लिए खरीदी जाएगी 600 हेक्टेयर भूमि

सिक्स लेन हाईवे नवाबगंज के महेशपुर में बन रहे अयोध्या रिंग रोड से निकलेगी, जो पुरानी सड़क के बजाय खेतों से होते हुए गोंडा पहुंचेगी। यहां से जाकर बलरामपुर में गुजर रहे गोरखपुर–शामली एक्सप्रेस वे से जुड़ जाएगी। 25 मीटर चौड़े हाईवे बनाने के लिए करीब 90 मीटर चौड़ाई की जमीन ली जाएगी। हाईवे का मुख्य हिस्सा फोरलेन ही रहेगा लेकिन, दोनों तरफ सर्विसलेन देते हुए इसे सिक्स लेन हाईवे बनाया जाएगा। इसके लिए करीब 600 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की जाएगी।

अयोध्या एनएच डिवीजन के अधिशासी अभियंता एसके मिश्र ने बताया कि छह लेन मार्ग की डिजाइन मंत्रालय को भेजी है। स्वीकृति मिलते ही निर्माण शुरू हो जाएगा।

पिता का बेरहमी से कत्ल...फिर खुद के ही भाइयों को फंसाने के लिए रचा षडयंत्र, वांछित पुत्र गिरफ्तार

फिरोजाबाद,संवाददाता। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में एक पुत्र ने अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। इस हत्या के आरोप में अपने ही भाइयों को फंसाने के लिए उसने षडयंत्र भी रचा, लेकिन पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। शिकोहाबाद में पांच माह पूर्व जमीनी रंजिश में किसान को गोली मारने के मामले में नसीरपुर पुलिस ने घायल किसान के आरोपी भाई को जेल भेजा है। पिता–पुत्रों ने मिलकर फर्जी फायरिंग का षड्यंत्र रचकर परिवार के ही लोगों को फंसाने का षड्यंत्र रचा था।

जिसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को जेल भेजा है। नसीरपुर क्षेत्र के गांव नगला टीकाराम निवासी चंदन सिंह (50) गत 24 अगस्त 2025 को अपने बेटे शेर सिंह के साथ बाइक से शिकोहाबाद आये थे। रात 9 बजे करीब वह वापस लौट रहे थे। उसी दौरान छेछपुर मार्ग पर किसान चंदन सिंह को सामने से आ रहे बाइक सवार रामशकंर एवं कृष्णगोपाल ने गोली मार दी थी। यह घटना जमीनी रंजिश के चलते की गई थी। यह आरोप घायल के बेटे शेर सिंह ने लगाते हुए नसीरपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

पुलिस ने घटना की छानबीन करते हुए पाया था कि घटना के दौरान दोनों आरोपी भाई गांव में ही मौजूद थे। घटना से कुछ दिन पहले ही राजस्व विभाग की टीम ने नापजोख की थी। जिसके बाद इस घटना को अंजाम दिया गया था। यह घटना परिवार के ही दोनों भाइयों को फर्जी मामले में फंसाने के लिए प्रायोजित की गई थी। किसी और ने नहीं बल्कि शेर सिंह ने अपने भाई उपेंद्र उर्फ मोनू के साथ मिलकर ही अपने पिता चंदन सिंह को गोली मारी थी।

यह बात नसीरपुर पुलिस की जांच में सामने आई थी। पुलिस ने गहनता से जांच करके चंदन सिंह को कुछ दिनों बाद ही जेल भेज दिया था। घटना में घायल का आरोपी भाई उपेंद्र वांछित चल रहा था। नसीरपुर पुलिस ने आरोपी को फतेहपुर करखा भट्टे के पास से गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

महिला साथी पर प्राथमिकी के विरोध में वकीलों का पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन

बूढ़नपुर,संवाददाता। महिला अधिवक्ता और परिजनों पर प्राथमिकी दर्ज किए जाने के विरोध में बुधवार को तहसील बार बूढ़नपुर के अधिवक्ताओं में रोष दिखा। अधिवक्ता पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचे, वहां सीओ को पत्रक देकर महिला अधिवक्ता की तरफ से भी प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। तहसील बार के अध्यक्ष मिथिलेश सिंह ने कहा कि अतरौलिया थाना के सिहोरा गांव निवासी व संघ की महिला अधिवक्ता संगीता कुमारी की जमीन पर पुलिस की मिलीभगत से आरोपी कब्जा कर रास्ता बना रहे हैं। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की। महिला अधिवक्ता और उनके परिजनों पर प्राथमिकी भी दर्ज करा दी गई। आरोप लगाया कि क्षेत्रीय दारोगा ने महिला अधिवक्ता से अभद्रता की। उनकी ओर से प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की जा रही है। एसोसिएशन के मंत्री जगत नारायण तिवारी ने कहा कि महिला अधिवक्ता के साथ अभद्रता किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधिवक्ता के परिजनों को परेशान कर रही जबकि जमीन कब्जा करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। कहा कि पुलिस अगर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं किया तो जिले के सभी अधिवक्ता अतरौलिया थाने का घेराव करने के लिए बाध्य होंगे। अंत में अधिवक्ताओं ने सीओ को पत्रक दिया और महिला अधिवक्ता की तरफ से प्राथमिकी दर्ज कर न्याय दिलाने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश लाल श्रीवास्तव, अनिल सिंह, योगेंद्र यादव, सूर्य प्रकाश यादव, उमाशंकर पांडेय उपेंद्र पाठक आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

जहरीली शराब कांड

अब शेष 28 मुकदमों में ट्रायल तेज, समीक्षा शुरू

अलीगढ़,संवाददाता। 27 मई 2021 की देर शाम लोधा के गांव करसुआ से जहरीली शराब कांड की नींव रखी गई। जहां से देर रात एक मौत की खबर आई। सुबह होते–होते जहरीली शराब ने जिले में मौत का तांडव मचाना शुरू कर दिया। देश–प्रदेश में लंबे समय तक सुर्खियों में रहे अलीगढ़ जिले के बहुचर्चित जहरीली शराब कांड के मुकदमों की सुनवाई तेज कराई जा रही है। 20 जनवरी को एक मुकदमे में निर्णय आने के बाद अब शेष 28 मुकदमों की समीक्षा की जा रही है, जिनमें से चार मुकदमे ऐसे हैं, जो बहस की प्रक्रिया में हैं। उनमें जल्द निर्णय के संकेत हैं।

जिले में 27 मई 2021 की देर शाम लोधा के गांव करसुआ से जहरीली शराब कांड की नींव रखी गई। जहां से देर रात एक मौत की खबर आई। सुबह होते–होते जहरीली शराब ने जिले में मौत का तांडव मचाना शुरू कर दिया। पुलिस रिपोर्ट में पोस्टमार्टम के अनुसार जिले भर में एक सप्ताह तक चले क्रम में मौतों की संख्या 106 रही, लेकिन 126 से अधिक मौत जिले में हुईं। इनमें कुछ मौत ऐसी थीं, जिनके शवों के पोस्टमार्टम नहीं हुए। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिनका ट्रायल एक ही न्यायालय एडीजे–14 में चल रहा है। इस कांड में कुल 33 मामले दर्ज हुए थे, जिनमें से अब तक चार मामलों में निर्णय आ चुका है। शेष 28 मामलों में अभियोजन टीम ने समीक्षा शुरू कर दी है।

ठेकेदार ने टेंडर बाबू को दी घूस की रकम थामते ही एंटी करप्शन ने रंगे हाथों पकड़ा

गोरखपुर ,संवाददाता। छह जनवरी को अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार से एफडीआर रिलीज करने का आदेश कराकर टेंडर बाबू को दिया। इसके बाद भी एफडीआर नहीं मिल रहा था। परेशान होकर इसकी जानकारी एंटी करप्शन की टीम को दी। एंटी करप्शन अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही शिव कुमार त्रिपाठी कार्यालय के बाहर टेंडर बाबू को रुपये देकर अपनी कार में बैठे, टीम ने उन्हें पकड़ लिया। एंटी करप्शन की टीम ने बुधवार दोपहर मोहद्दीपुर स्थित विद्युत वितरण मंडल द्वितीय के कार्यालय में तैनात टेंडर बाबू अभिषेक भारती को ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी से पांच हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, भारती किसी टेंडर को पास कराने के लिए लगातार ठेकेदार से अवैध धन की मांग कर रहे थे। मामले में विभागीय जांच भी शुरू हो गई है।

गोरखनाथ के गांधीनगर निवासी शिव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सिकरीगंज, कौड़ीराम, सहजनवां खंड में काम पूरा करने के बाद एफडीआर वापस लेने के लिए भागदौड़ कर रहा था। टेंडर बाबू अभिषेक भारती रुपये की मांग कर रहे थे। छह जनवरी को अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार से एफडीआर रिलीज करने का आदेश कराकर टेंडर बाबू को दिया। इसके बाद भी एफडीआर नहीं मिल रहा था। परेशान होकर इसकी जानकारी एंटी करप्शन की टीम को दी। एंटी करप्शन अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही शिव कुमार त्रिपाठी कार्यालय के बाहर टेंडर बाबू को रुपये देकर अपनी कार में बैठे, टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद टीम ने बाबू के कार्यालय पर ताला लगा दिया और उसे कैंट थाने ले गई। अभिषेक महराजगंज जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत नगरपालिका परिषद के नेहरूनगर के निवासी हैं। विद्युत वितरण मंडल द्वितीय में लंबे समय से टेंडर बाबू के पद पर तैनात अभिषेक भारती के खिलाफ यह कार्रवाई बिजली निगम के कर्मचारियों और ठेकेदारों के बीच सनसनी मचा गई है।

स्थानीय ठेकेदारों और कर्मचारियों का कहना है कि भारती ने कई टेंडरों में घूस की मांग की थी और इस गिरफ्तारी से अन्य कर्मचारियों में भी डर का माहौल है। ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एक सप्ताह पहले भी सिक्योरिटी मनी छुड़ाने के दौरान अभिषेक भारती ने अवैध राशि की मांग की थी। उन्होंने छह जनवरी को ही एंटी करप्शन में शिकायत दर्ज करवाई थी। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता केके राठौर ने बताया कि कर्मचारियों के भ्रष्टाचार की विभागीय जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

गिरफ्तारी के बाद कार्यालय में अफरा–तफरी

गिरफ्तारी के बाद कार्यालय में अफरातफरी मच गई है। कर्मचारियों और ठेकेदारों का कहना है कि अब किसी को भी टेंडर पास कराने या सिक्योरिटी मनी छुड़ाने के लिए अवैध साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। एंटी करप्शन टीम मामले की आगे की जांच कर रही है और अन्य आरोपियों की पहचान के लिए दस्तावेज और रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। दोबार आई टीम, कार्यालय का ताला खोलकर की जांच तकरीबन एक घंटे बाद दो गाड़ियों से टीम के सदस्य वापस आए और ताला खोलकर कार्यालय की जांच की। उन्होंने अधीक्षण अभियंता द्वितीय का कार्यभार देख रहे अधीक्षण अभियंता प्रथम केके राठौर को बुलवाया और कुछ फाइलों की फोटोकॉपी कराई। चार दिन पहले टेंडर क्लर्क के कार्यालय में शिव कुमार त्रिपाठी और अभिषेक भारती में बहस भी हुई थी।

फोन कर टेंडर क्लर्क को नीचे बुलाया

दोपहर ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी ने फोन कर प्रथम तल पर स्थित कार्यालय में बैठे टेंडर क्लर्क अभिषेक भारती को नीचे बुलाया। अभिषेक कार्यालय के नीचे आए तो शिव कुमार त्रिपाठी ने उनके कंधे पर हाथ रखकर थोड़ी देर बात की और फिर पांच हजार रुपये उनके हाथ में रख दिए। जैसे ही शिव कुमार त्रिपाठी ने रुपये देकर निकले, वहां निरीक्षक सुबोध कुमार के नेतृत्व में मौजूद सात से आठ की संख्या में लोगों ने अभिषेक भारती को पकड़ लिया।

महंगे शौक और रील की चकाचौंध में बहके कदम

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर के सिंघड़िया चौराहे के मॉडल शॉप पर युवती ने युवक को गोली मार दी। युवती समेत तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया है। जन्मदिन पार्टी की पार्टी के लिए युवती पहुंची थी। गोरखपुर के कैंट थाना क्षेत्र के सिंघड़िया में मॉडल शॉप के बाहर मंगलवार की देर शाम हुए विवाद में हरपुर–बुढहट क्षेत्र की रहने वाली अंशिका नाम की युवती ने एक युवक को गोली मार दी। नाजुक हालत में उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने इस मामले में हरपुर–बुढहट क्षेत्र की रहने वाली अंशिका सिंह उर्फ अंशिका शर्मा समेत चार के खिलाफ हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया है। अंशिका को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार हरपुर–बुढहट थाना क्षेत्र की रहने वाली अंशिका सिंघड़िया में किराये के कमरे में रहती है। मंगलवार को उसका जन्मदिन था। वह दोस्तों के साथ कार में मॉडल शॉप के पास आई थी। पुलिस को अंशिका ने बताया है कि वह बर्थडे पार्टी कर रही थी।

इसी बीच वहां से गुजर रहे उसके पुराने परिचित विशाल मिश्रा, जंगल सिकरी निवासी अमिताभ निषाद और उसका भाई शैलेश और दोस्त संदीप उसे देखकर रुक गए। सूत्रों के मुताबिक विशाल को संदेह था कि अंशिका उसकी पत्नी को अपने साथ घुमाती है, इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। कहासुनी के दौरान अंशिका ने पिस्टल निकाली और गोली चला दी। गोली विशाल के चालक अमिताभ के पेट में लग गई। हालांकि अंशिका ने सफाई दी है कि छीना–झपटी में अंशिका की पिस्टल से चली गोली अमिताभ के पेट में लग गई। खोराबार थाना क्षेत्र के जंगल सिकरी बाईपास का रहने वाला अमिताभ एक नर्सिंग होम के मैनेजर की गाड़ी चलाता है। अमिताभ को गोली लगने के बाद अंशिका और उसके कुछ साथियों ने भागने की कोशिश की लेकिन आसपास के लोगों ने उन्हें घेर लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अंशिका को गिरफ्तार कर पिस्टल जब्त कर ली। विशाल और एक अन्य को हिरासत में

लेकर पूछताछ की जा रही है।

वारदात के बाद इलाके में सनसनी

मंगलवार की शाम हुई वारदात के बाद सिंघड़िया इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात के दौरान मौजूद लोगों ने बताया कि गोली चलने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। घायल अमिताभ को नजदीकी नर्सिंग होम में प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में लिया है जिससे पूरा घटनाक्रम स्पष्ट होगा।

महंगे शौक और रील की चकाचौंध में बहके कदम

गोरखपुर के सिंघड़िया चौराहे पर फायरिंग के मामले में गिरफ्तार की गई अंशिका के चौंकाने वाले कारनामे सामने आए हैं। महंगे शौक और रील की चकाचौंध ने उसे अपराध की राह पर पहुंचा दिया। वह शहर के एक थाने के प्रभारी समेत आठ पुलिसकर्मियों को अपने जाल में फंसा चुकी थी। स्थिति बिगड़ती देख कुछ पुलिसकर्मियों ने रुपये देकर अपनी गर्दन बचाई थी। युवती की गतिविधियों को लेकर पुलिस को लंबे समय से जानकारी मिल रही थी और उसकी तलाश भी कई दिन से की जा रही थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक शातिर अंशिका पहले सोशल मीडिया और व्यक्तिगत संपर्कों से लोगों से नजदीकियां बढ़ाती थी फिर झूठे आरोपों और दबाव की रणनीति अपनाकर उन्हें फंसाती थी। उसने कुछ पुलिसकर्मियों को भी निशाने पर लिया था। एक थाने के प्रभारी समेत आठ पुलिसकर्मी उसके चंगुल में फंस गए थे। मामला उजागर होने के डर से कुछ पुलिसकर्मियों ने उसे पैसे देकर मामला दबाने की कोशिश की।

बताया जा रहा है कि युवती के खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं लेकिन ठोस साक्ष्य के अभाव में पुलिस कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। मंगलवार की देर शाम फायरिंग के मामले में पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस को उसके पास से आपराधिक गतिविधियों से जुड़े अहम साक्ष्य भी मिले हैं।

कई संवेदनशील जानकारियां सामने आई हैं, जिन्हें पुलिस जांच का हिस्सा बना रही है। उसके चंगुल में फंसे कई पुलिसकर्मी भी लाइन हाजिर हुए थे। हरकतें देख परिवार ने बना ली थी दूरीमूलरूप से हरपुर–बुढहट क्षेत्र की रहने वाली अंशिका घरवालों से अलग रहती थी और सोशल मीडिया पर बेहद सक्रिय थी। उसके महंगे रहन–सहन और दोस्तों के साथ घूमने–फिरने के शौक के कारण परिवार ने उससे दूरी बना ली थी। सोशल मीडिया पर उसके साढ़े सात हजार फॉलोअर हैं और अब तक उसने 700 से अधिक रील्स पोस्ट की हैं। महंगे कपड़े पहनना, नए मोबाइल रखना और दोस्तों के साथ समय बिताना उसका शौक था। उसने कई पुलिसकर्मियों के फोटो भी इंस्टाग्राम पर भाई बताते हुए वायरल किए थे।

सुना है क्याः चमचागिरी की काबिलियत से खेल रहे ठेके का खेल...

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के स्वास्थ्य महानिदेशालय में डॉक्टर चमचागिरी की काबिलियत से कई साल से ठेके और टेंडर के काम में लगे हुए हैं और अब तो वो खुलकर बोलने भी लगे हैं। वहीं, नोएडा कांड में कई और साहबों पर गाज गिर सकती है। वहीं, मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच एक माननीय तो दिल्ली तक की दौड़ लगाते रहते हैं। यूपी के स्वास्थ्य महानिदेशालय में डॉक्टर चमचागिरी की काबिलियत से कई साल से ठेके और टेंडर के काम में लगे हुए हैं और अब तो वो खुलकर बोलने भी लगे हैं। वहीं, नोएडा कांड में कई और साहबों पर गाज गिर सकती है। वहीं, मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच एक माननीय तो दिल्ली तक की दौड़ लगाते रहते हैं।

चमचागिरी की विशेषज्ञता

स्वास्थ्य महानिदेशालय में कई ऐसे डॉक्टर हैं जो विशेषज्ञ मर्ज के हैं लेकिन चमचागिरी की काबिलियत की वजह से अपना काम छोड़कर कई साल से टेंडर और ठेके के काम में लगे हैं। विभाग के कई मुखिया आए लेकिन कोई उन्हें इलाज के काम में नहीं लगा सका। अब तो वे सीना ठोक कर कहने लगे हैं कि उनके बिना टेंडर का काम कोई कर ही नहीं सकता। बेचारे महानिदेशालय के मुखिया भी चुप हैं। वह सिर्फ इतना बोलते हैं कि अब उनके जाने का समय आ गया है। विभाग में इस बात की खूब चर्चा है कि नए मुखिया इन विशेषज्ञों से काम ले पाते हैं या नहीं।

और साहबों पर गाज का खतरा

अपने लख्ते जिगर को एक पिता अपनी आंखों के सामने मौत के मुंह में जाते देख तड़पता रहा लेकिन सिस्टम हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा।

दिल दहला देने वाली इस घटना की गूंज पूरे देश में है। केवल एक जेई के सिर पर ठीकरा फोड़ अपनी नौकरी बचाने में जुटे बड़े अफसर भी निशाने पर आ गए हैं। एक का तबादला करने के बाद अब घोटालों की फाइल खुलने जा रही है जिसकी चपेट में दो नौकरशाह आ रहे हैं। चर्चा है कि अभी कई और विकेट गिरने वाले हैं। कार्रवाई की जद में आने वाले कई साहबों ने बचाव का जुगाड़ तंत्र साधना शुरू कर दिया है।

प्रयागराज,संवाददाता

संगम पर सुबह माघ मेला में वसंत पंचमी स्नान पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। घने कोहरे और ठंड को मात देते हुए लाखों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा रहे हैं। 1–2 करोड़ और अगले चार दिनों में साढ़े तीन करोड़ भक्तों के पहुंचने का अनुमान है।

श्रद्धालुओं ने सरयू घाट पर किया स्नान

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में वसंत पंचमी के मौके पर श्रद्धालुओं ने सरयू घाट पर पवित्र स्नान किया और पूजा–अर्चना की।

संगम पर 3 करोड़ 4 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

माघ मेला 2026 में वसंत पंचमी के पावन स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। लगभग 3 करोड़ 4 लाख भक्तों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। यह संख्या दिन चढ़ने के साथ और बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि ब्रह्म मुहूर्त से ही लाखों श्रद्धालु ठंड और कोहरे को मात देते हुए संगम तट पर पहुंचे।

चित्रकूट में व्यापारी के बेटे की हत्या

40 लाख फिरौती न मिलने पर ली जान

संवाददाता, चित्रकूट। बरगढ़ कस्बे में कपड़ा व्यापारी के 13 वर्षीय पुत्र का अपहरण कर 40 लाख फिरौती न मिलने पर अपहर्ताओं न उसकी हत्या कर दी गई। किशोर का शव शुक्रवार सुबह घर से कुछ दूर खून से लथपथ अवस्था में मिला। पुलिस व अपहरणकर्ताओं के बीच मुठभेड़ में प्रयागराज के कर्मा का रहने वाला एक आरोपित कल्लू गोली लगने से ढेर हो गया, जबकि दूसरे इरफान के पैर में गोली लगी है। तीसरा भाग निकला। सभी आरोपित कर्मा के ही रहने वाले हैं। घटना से नाराज लोग झांसी–मीरजापुर हाईवे पर जाम लगाकर नारेबाजी कर रहे हैं।

बरगढ़ बाजार में कपड़े की दुकान चलाने वाले अशोक कुमार केसरवानी का पुत्र आयुष गुरुवार शाम करीब छह बजे कोचिंग पढ़ने गया था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। स्वजन ने अपने स्तर से उसकी तलाश शुरू की। देर शाम करीब नौ बजे अपहरणकर्ताओं ने फोन कर 40 लाख रुपये की फिरौती की मांग की। घबराए स्वजन ने पुलिस को बताया। पुलिस के सक्रिय होते ही अपहरणकर्ताओं ने किशोर की हत्या कर दी। शुक्रवार सुबह करीब चार आयुष का शव मिलने के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर हैं।

एक झलक

राहुल गांधी बोले-VB-GRAM-G जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है: मनरेगा बचाओ सम्मेलन में सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी, पौधे में मिट्टी डाली

कश्मीर में सेना की गाड़ी 400-फीट गहरी खाई में गिरी 10 जवानों की मौत; घायलों को एयरलिफ्ट किया गया

यूरोपीय यूनियन ने भारत से रक्षा समझौते को मंजूरी दी: अगले हफ्ते दिल्ली में डील होगी; EU बोला-आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी

दीपिंदर गोयल ने Zomato के CEO पद से दिया इस्तीफा: 1 फरवरी से ब्लिंकिट CEO अलबिंदर ढिंडसा कमान संभालेंगे

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा: शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया; माघ मेला से 3km दूर हादसा

पति का भाभी से था अफेयर...

राज खुलने पर पत्नी ने किया विरोध तो ससुराल वालों ने बेरहमी से पीटा, अधमरा छोड़कर हुए फरार

अतर्रा,संवाददाता। भाभी के साथ पति के अवैध संबंध का विरोध करना एक विवाहिता को भारी पड़ गया। आरोप है, कि विरोध करने पर पति सहित अन्य ससुरालीजन ने उसके साथ जमकर मारपीट की और घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता की सूचना पर पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सफाई कर्मी पति सहित पांच ससुरालीजन के विरुद्ध उत्पीड़न व जान से मारने की कोशिश समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। बदौसा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता का पति सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत है। पति के अपनी भाभी से अवैध संबंध होने की जानकारी होने पर विवाहिता ने विरोध किया और सास–ससुर से शिकायत की। इस पर पति, सास, ससुर, जेठ व जेठानी ने उल्टा विवाहिता को ही पीटना शुरू कर दिया। पीड़िता के अनुसार 11 जुलाई 2025 को भी ससुरालीजन ने उसको पीटा, जिसकी शिकायत उसने बदौसा थाने में की थी। उस समय थाना पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलह–समझौता करा दिया। इसके बावजूद ससुरालीजन का उत्पीड़न नहीं रुका और 12 सितंबर 2025 को एक बार फिर उसे बेरहमी से पीटकर लहूलुहान कर दिया गया।

पीड़िता के अनुसार 11 जुलाई 2025 को भी ससुरालीजन ने उसको पीटा, जिसकी शिकायत उसने बदौसा थाने में की थी। उस समय थाना पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलह–समझौता करा दिया। इसके बावजूद ससुरालीजन का उत्पीड़न नहीं रुका और 12 सितंबर 2025 को एक बार फिर उसे बेरहमी से पीटकर लहूलुहान कर दिया गया।

यूएई ने निभाई दोस्ती

900 से ज्यादा भारतीय कैदियों की सजा और जुर्माना माफ करने का एलान

सजा के साथ–साथ कैदियों पर लगे सभी वित्तीय दंड (जुर्माने) भी माफ किए गए

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच रिश्ते में एक और सकारात्मक कदम देखने को मिल रहा है। यूएई सरकार ने नेशनल डे से पहले 900 से ज्यादा भारतीय कैदियों को रिहा करने का फैसला लिया है।

इसके लिए अबू धाबी स्थित भारतीय दूतावास को रिहा करने वाले कैदियों की लिस्ट सौंप दी है। दरअसल, यूएई सरकार ने जेल में बंद 900 से अधिक भारतीय नागरिकों को रिहा करने का निर्णय अपने 'नेशनल डे' (ईद अल इतिहाद) के उपलक्ष्य में मानवीय आधार पर लिया है।

2 दिसंबर को मनाया जाता है ईद अल एतिहाद

पिछले साल 27 नवंबर को यूएई प्रेसिडेंट ने अपनी वेबसाइट पर शेयर किए गए एक ऑफिशियल ऑर्डर में बताया था कि ईद अल एतिहाद से पहले 2937 कैदियों को रिहा किया गया है। बताते चले कि ईद अल एतिहाद 2 दिसंबर को यूएई का

नेशनल सेलिब्रेशन है। यह समारोह हर साल 2 दिसंबर को मनाया जाता है और यह 1971 में सात अमीरात के एकीकरण की याद दिलाता है।

नहीं देना होगा जुर्माना

सबसे खास बात यह है कि यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कैदियों पर उनकी सजा के हिस्से के रूप में लगाए गए वित्तीय दंड (जुर्माने) को भी माफ करने का वादा किया है। यानी कैदियों के परिवारों पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा और वे अपने प्रियजनों के पुनर्वास में मदद कर सकेंगे।

भारत और यूएई के बीच कैसा है संबंध?

गौरतलब है कि सोमवार को यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत का आधिकारिक दौरा किया। पिछले 10 सालों में यह उनका उनका पांचवां दौरा और यूएई के राष्ट्रपति के तौर पर तीसरा आधिकारिक दौरा था। उनके दौरे के दौरान एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी को पूरा करने की दिशा में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन ने भारत दौरे के दौरान पीएम के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान किया। उन्होंने बहुपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर उत्कृष्ट सहयोग और आपसी समर्थन का उल्लेख किया। यूएई की तरफ से 2026 में भारत की BRICS अध्यक्षता की सफलता के लिए पूरा समर्थन दिया गया।

किराए के मकान में चल रहा था फर्जी कॉल सेंटर

हेल्थ इंश्योरेंस के नाम पर विदेशियों से करते थे ठगी, छह हिरासत में

संवाददाता, गोरखपुर। काल सेंटर की आड़ में ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान छह युवकों को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह किराए के मकान में छह माह से चल रहा था जहां 10 से 15 युवक–युवतियां काम करते थे। ये लोग यूएस समेत अन्य देशों के लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस के नाम पर कॉल कर ठगी करते थे। पुलिस के अनुसार गिरोह के सरगना ने करीमनगर में किराए पर कमरा लिया था। हिरासत में लिए गए युवक लखनऊ, गोरखपुर और आसपास के जिलों के रहने वाले हैं। पकड़े गए आरोपितों में एक ऐसा युवक भी है, जिसे एक वर्ष पहले लखनऊ में जालसाजी के मामले में जेल भेजा जा चुका है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कॉलिंग में इस्तेमाल किए जा रहे लैपटाप और मोबाइल फोन कब्जे में ले लिए हैं। काल डाटा, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और इंटरनेशनल कॉलिंग के तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी खंगाल रही है कि काल सेंटर चलाने का कोई लाइसेंस था या नहीं। एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि हिरासत में लिए गए युवकों से गहन पूछताछ की जा रही है।

इमरान खान
आखिरी फिल्म: 2015
(कट्टी बट्टी)

असिन
आखिरी फिल्म: 2015
(ऑल इज वेल)

तनुश्री दत्ता
आखिरी फिल्म: 2010
(अपार्टमेंट)

राहुल रॉय
आखिरी फिल्म: 1990
(आशिकी)

जायद खान
आखिरी फिल्म: 2015
(शराफत गई तेल लेने)

फरदीन खान
आखिरी फिल्म: 2010
(दुल्हा मिल गया)

'पंगा नहीं लेने का...'

फिल्म 'ओ रोमियो' का धांसू ट्रेलर रिलीज, एक्शन करते दिखे शाहिद

एंटरटेनमेंट डेस्क। विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। शाहिद कपूर उस्तरा के किरदार में एक्शन करते नजर आए।शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर आज 21 जनवरी को रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में रोमांस से लेकर एक्शन का तालमेल दिखाया गया है। इस फिल्म को देखकर फैंस को शाहिद की फिल्म 'कबीर सिंह' की याद जरूर आ जाएगी।

फिल्म को लेकर शाहिद का पोस्ट

शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'उस्तरे से पंगा नहीं लेने का, शरीर से आत्मा काट के ले जाता है।' विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहिद के इस पोस्ट पर कई फैंस ने फायर और लाल दिल वाले इमोजी शेयर किए हैं।

कभी आमिर खान और सलमान के साथ इस अभिनेत्री ने किया था काम

एंटरटेनमेंट डेस्क। 2000 के दशक में बॉलीवुड में एक अभिनेत्री बहुत मशहूर हुईं, जो अपने शानदार लुक और स्क्रीन प्रेजेंस की वजह से इंडस्ट्री पर राज करने लगीं।

उस समय जब कमर्शियल सिनेमा चल रहा था तब यह अभिनेत्री मेनस्ट्रीम सिनेमा में एक जाना–पहचाना चेहरा बन गईं। उन्होंने आमिर खान के साथ एक टेलीविजन कमर्शियल में भी काम किया और सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर की।

'हंगामा' से मिली पहचान

यह अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि रिमी सेन हैं। रिमी को प्रियदर्शन की हिट फिल्म 'हंगामा' (2003) से पहचान मिली।

फिल्म को बेहतरीन कास्ट और कॉमेडी के लिए खूब सराहा गया। इस फिल्म के बाद रिमी को कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने का मौका मिला।

'फिर हेरा फेरी' से जगह मजबूत की

रिमी सेन को सबसे ज्यादा शोहरत 'धूम' (2004) में काम करने के बाद मिली। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बनी। उन्होंने इस फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ फीमेल लीड रोल निभाया। रिमी सेन ने कॉमेडी 'हेरा फेरी' के सीक्वल 'फिर हेरा फेरी' (2006) से बॉलीवुड में अपनी जगह और मजबूत की। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल भी थे।

बड़े कलाकारों के साथ किया काम

इसके बाद रिमी सेन कई बॉक्स–ऑफिस हिट फिल्मों का हिस्सा रहीं, जिनमें 'गोलमालः फन अनलिमिटेड' (2006) भी शामिल है। वह अजय देवगन, अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम और शाहिद कपूर जैसे सितारों के साथ भी नजर आईं। वह 'बागबान' और 'क्योंकि' जैसी फिल्मों का भी हिस्सा थीं।

अब क्या करती हैं रिमी सेन?

सफलता मिलने के बावजूद, रिमी सेन ने धीरे–धीरे फिल्मों में काम करना कम कर दिया। समय के साथ, वह एक्टिंग से दूर हो गईं। अपने समय की कई दूसरी एक्ट्रेस के उलट, उन्होंने वापसी की कोशिश नहीं की। आखिर में वह दुबई चली गईं। यहां उन्होंने एक अलग कारोबार करना शुरू किया। अब वह रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़ी हैं और रियल एस्टेट एजेंट के तौर पर काम कर रही हैं।

दुबई के बारे में क्या बोलीं रिमी?

हाल ही में, रिमी ने दुबई के बारे में बात करते हुए बिल्डकैप्स रियल एस्टेट एलएलसी को बताया, 'दुबई बहुत मेहमाननवाज है। यहां की 95 आबादी विदेशियों की है, बाकी यहीं के हैं। दुबई ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया है, यहां मस्जिदें हैं, मंदिर भी हैं। वे सभी के बारे में सोचते हैं।

बाइसेप्स को लेकर बताया अपना जुनून, लिखा- 'मेरे लिए प्रार्थना...'

2016 वायरल ट्रेंड में शामिल हुए

ऋतिक रोशन

एंटरटेनमेंट डेस्क। ऋतिक रोशन ने भी बाकी सेलेब्स की तरह वायरल 2016 ट्रेंड को फॉलो किया। ऋतिक ने अपनी फिट बॉडी दिखाते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही एक्टर ने अपने 'बॉलीवुड बाइसेप्स' जुनून के बारे में भी बताया। बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन ने 2016 के ट्रेंड को फॉलो करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में ऋतिक ने तस्वीरों के जरिए अपनी कई खूबसूरत यादों को साझा किया है। इन तस्वीरों में फिटनेस के लिए ऋतिक का प्यार साफ झलक रहा है।

ऋतिक का पोस्ट

ऋतिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार तस्वीरों को शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। पहली तस्वीर में ऋतिक अपने बाइसेप्स को फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। दूसरी और तीसरी तस्वीर में भी ऋतिक दोनों हाथों को उठाए बाइसेप्स दिखा रहे हैं। चौथी तस्वीर ऋतिक के बचपन की है; इस तस्वीर में भी फिटनेस के लिए ऋतिक का क्रेज देखा जा सकता है। बाकी की सभी तस्वीरों में ऋतिक जिम में कसरत करते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों से साफ पता चलता है कि ऋतिक बचपन से ही फिटनेस फ्रीक रहे हैं।

ऋतिक का नोट

इन शानदार तस्वीरों को ऋतिक ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, '2016, 1984, 2019, 2022 और कल...' इसके साथ ही ऋतिक ने अपने बाइसेप्स को लेकर लिखा, 'चाहे मैं कितनी भी किताबें पढ़ लूं, 'बॉलीवुड बाइसेप्स' के लिए मेरा जुनून कभी खत्म नहीं हो सकता।' आगे ऋतिक ने अपने फैंस से कहा कि वे उनके लिए प्रार्थना करें, ताकि वह इन सभी चीजों से उबर सकें।'

'दलदल' का ट्रेलर

भूमि पेडनेकर की सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर जारी

कब और कहां रिलीज होगी 'दलदल'

विश धामिजा की बेस्टसेलिंग किताब 'भेंडी बाजार' पर 'दलदल' आधारित है। इस सीरीज को अमृत राज गुप्ता ने निर्देशित किया है। विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने इसका निर्माण किया है। इसे श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा और प्रिया सग्गी ने लिखा है। भूमि सतिश पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'दलदल' का प्रीमियर 30 जनवरी को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

एंटरटेनमेंट डेस्क। प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। इसमें भूमि पेडनेकर पुलिस अफसर के किरदार में सीरियल किलर को पकड़ेंगीं। क्राइम थ्रिलर सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर बनी 'दलदल' की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) के इर्द–गिर्द घूमती है। वह एक खतरनाक जांच पर निकलती हैं, जहां उन्हें एक बेरहम सीरियल किलर को पकड़ना होता है।

ट्रेलर में डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) की खौफनाक दुनिया का सफर दिखाया गया है, जिसे भूमि सतिश पेडनेकर ने बेहद सशक्त अंदाज में निभाया है। ट्रेलर में क्रूर और सोचे–समझे किए गए हत्याकांड सामने आते हैं, जो एक कातिल की घिनौनी सोच को दिखाता हैं। जैसे–जैसे लाशों की संख्या बढ़ती जाती है, रीटा इस अंधेरी और डरावनी जांच में खुद को और गहराई तक फंसा हुआ पाती है।

क्या बांग्लादेश पर हो सकता है जुर्माना या निलंबन

टी20 विश्व कप 2026 जैसे बड़े आईसीसी टूर्नामेंट से हटना बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के लिए भारी पड़ सकता है, जिसमें वित्तीय जुर्माने से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में लंबे समय तक अलग–थलग पड़ जाने जैसी स्थिति का जोखिम शामिल है।

टी20 विश्व कप से हटने पर बांग्लादेश को किस तरह सजा दे सकता है आईसीसी, नियम क्या कहते हैं

स्पोर्ट्स डेस्क,। टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन का समय बचा है। हालांकि, इससे पहले बांग्लादेश क्रिकेट के हठ ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश की भागेदारी पर सवालिया निशान हैं। उसके ग्रुप स्टेज के चारों मैच भारत में हैं, लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में खेलने से मना कर दिया है। इस जिद की वजह से उन पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। आईसीसी ने बीसीबी को 21 जनवरी तक का समय दिया था, जिसे एक दिन और बढ़ा दिया गया था, लेकिन बीसीबी गुरुवार को भी भारत में नहीं खेलने की अपनी जिद पर अड़ा रहा। अब आईसीसी उसे टूर्नामेंट से बाहर कर सकता है। हालांकि, टूर्नामेंट से बाहर होने पर बांग्लादेश को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। साथ ही क्रिकेट में भी इस टीम को फजीहत झेलनी पड़ सकती है।

बीसीबी अध्यक्ष ने क्या कहा था?

बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने गुरुवार को अपना अंतिम फैसला सुनाते हुए कहा, 'हम अपनी योजना लेकर आईसीसी के पास वापस जाएंगे कि हम भारत में नहीं, श्रीलंका में खेलना चाहते हैं। उन्होंने हमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन कोई वैश्विक संस्था ऐसा वास्तव में नहीं कर सकती। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप देखने वाले 200 मिलियन दर्शकों को खो देगा। ये उनका ही नुकसान होगा। आईसीसी श्रीलंका को संयुक्त मेजबान कह रहा है, जबकि वे संयुक्त मेजबान नहीं हैं। यह एक हाइब्रिड मॉडल है। आईसीसी मीटिंग में मैंने जो कुछ सुना, वो चौंकाने वाला था।'

आईसीसी भी झुकने के मूड में नहीं

वहीं, आईसीसी ने पहले ही बांग्लादेश को बाहर करने को लेकर वोटिंग करा ली है। अगर बांग्लादेश जिद पर रहता है तो उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया जाएगा और स्कॉटलैंड को जगह मिलेगी। आईसीसी भी अपने इस फैसले से पीछे हटने वाला नहीं है। हालांकि, आईसीसी के अंतिम स्टेटमेंट का अभी भी इंतजार है।

आईसीसी भी इस पूरे विवाद के बीच बांग्लादेश की मांगों के आगे झुकने के मूड में नहीं दिख रहा, जिसका नतीजा अंततः बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप से निष्कासन के रूप में सामने आ सकता है।

बांग्लादेश को हो सकता है भारी नुकसान

हालांकि, बांग्लादेश का यह बागी कदम केवल विश्व कप से बाहर होने भर तक सीमित नहीं रह सकता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शीर्ष संस्था से उन्हें सख्त परिणामों, दंडों और प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ सकता है।

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, टूर्नामेंट से हटना एक ऐसी कार्रवाई है जो वित्तीय, प्रतिस्पर्धात्मक और कूटनीतिक पेनल्टी की पूरी सीरीज को सक्रिय कर देता है।

1996 विश्व कप में क्या हुआ था?

1996 वनडे विश्व कप के दौरान भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका, तीनों मेजबान थे। तब ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने श्रीलंका में श्रीलंका के खिलाफ अपने ग्रुप मैच खेलने से इनकार कर दिया था, तो उन्हें भी दंड का सामना करना पड़ा था। दोनों टीमों को अंक गंवाने पड़े थे। साथ ही श्रीलंका को दोनों मैचों में जीता हुआ घोषित किया गया था। इसके अलावा दोनों टीमों पर मैच में हिस्सा नहीं लेने के लिए पेनल्टी भी लगाई गई थी। श्रीलंका ने वह विश्व कप जीता था।

भारत-बांग्लादेश के सवाल पर बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास का रिएक्शन हुआ वायरल

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने गुरुवार को बांग्लादेश के साथ क्रिकेट संबंधों के सवाल को नजरअंदाज किया। बांग्लादेश अपनी बात पर अड़ा रहा कि वो टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत में अपनी टीम को नहीं भेजेगा। आईसीसी ने हाल ही में बांग्लादेश की स्थान बदलने की गुजारिश को खारिज कर दिया था। मिथुन मन्हास से जब रायपुर में इस संबंध में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो यहां भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच को देखने आएं हैं।

भारत–बांग्लादेश की तकरार

बीसीसीआई ने इस मामले पर सख्त चुप्पी बरकरार रखी है। विशेषकर मन्हास, जिन्होंने खुद को प्रेस विज्ञप्ति तक सीमित कर रखा है। आईसीसी ने बुधवार को चेतावनी जारी की थी कि बांग्लादेश टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने की पुष्टि करे या फिर उसकी जगह जाने का खतरा बना हुआ है। बीसीसीआई ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भारत में किसी प्रकार की सुरक्षा चिंता नहीं होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप में जगह मिल सकती है।

बाहर करने को मजबूर किया गया...

विराट कोहली के टेस्ट संन्यास पर पूर्व क्रिकेटर के दावे ने फिर गर्म किया माहौल

विराट कोहली के टेस्ट संन्यास पर फिर छिड़ी बहस, मनोज तिवारी ने कहा कि कोहली को जोर देकर हटाया गया, विराट कोहली ने पिछले साल इंग्लैंड दौरे से पहले संन्यास लिया था।

स्पोर्ट्स डेस्क। विराट कोहली के टेस्ट संन्यास पर बहस खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने सनसनीखेज दावा किया, जिसके बाद इस विषय पर दोबारा बहस की स्थिति बन गई है। तिवारी ने कहा कि कोहली को जोर देकर टेस्ट प्रारूप से संन्यास दिलाया गया जबकि यह उनकी अपनी चाहत नहीं थी। मालूम हो कि टेस्ट क्रिकेट से कोहली के संन्यास पर विवाद गहराता गया। ऐसा इसलिए क्योंकि लाल गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। कोहली के साथी जो रूट और स्टीव स्मिथ लगातार टेस्ट शतक जड़ रहे हैं और ऐसे में कोहली का संन्यास लगातार चर्चा का विषय बना रहा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विराट कोहली के टेस्ट संन्यास पर दोबारा बहस छेड़ दी है। तिवारी ने दावा किया कि पूर्व कप्तान को जोर देकर टेस्ट ...

तिवारी ने क्या कहा

मनोज तिवारी ने इंसाइडस्पोर्ट से बातचीत में संजय मांजरेकर के बयान पर असहमति दर्ज कराई। मांजरेकर ने कहा था कि कोहली ने सबसे कड़ा प्रारूप छोड़कर आसान को चुना। इस पर तिवारी ने कहा, 'मैं उनसे सहमत नहीं हूं। कोहली को संन्यास के लिए मजबूर किया गया था।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, 'ऐसा माहौल बनाया गया कि कोहली को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना पड़ा। वो ऐसे शख्स नहीं, जो खुद फैसला करें कि कब जाना है। हां, फैसला उनके मुंह से निकला, लेकिन सभी जानते हैं कि पर्दे के पीछे की कहानी क्या है।'

कोहली का शानदार फॉर्म

मनोज तिवारी ने कहा कि आंकड़ों को देखते हुए कोहली पर आरोप लगाना गलत है कि वो प्रारूप चुन रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सभी चीजें जानने के बाद, आप कैसे कह सकते हैं कि उन्होंने कड़ा प्रारूप छोड़कर आसान चुना और वो भी रन बनाने के कारण? मैं मांजरेकर की बात से बिलकुल भी सहमत नहीं हूं।' कोहली के टेस्ट संन्यास पर भले ही बहस छिड़ी हो, लेकिन वनडे में उनका बल्ला जमकर हल्ला बोल रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत भले ही वनडे सीरीज नहीं जीत सका, लेकिन कोहली ने आखिरी मैच में शतक जड़कर मेजबान की उम्मीदों को जिंदा रखा था। उन्होंने तीसरे वनडे में 108 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के की मदद से 124 रन बनाए।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।